

पाठ 12. ध्वनि

अध्याय-समीक्षा :

- किसी माध्यम में ध्वनि संपीडनों तथा विरलनों वेफ रूप में संचरित होती है।
- **ध्वनि बूम** : जब ध्वनि उत्पादक स्रोत ध्वनि की चाल से अधिक तेजी से गति करती हैं। तो ये वायु में प्रघाती तरंगे उत्पन्न करती हैं इस प्रघाती तरंगों में बहुत अधिक ऊर्जा होती है। इस प्रकार की प्रघाती तरंगों से संबद्ध वायुदाब में परिवर्तन से एक बहुत तेज और प्रबल ध्वनि उत्पन्न होती है जिसे ध्वनि बूम कहते हैं।
- **पराध्वनिक चाल**: ध्वनि की चाल से भी अधिक चाल से कोई पिण्ड गति करता है तो उसे पराध्वनिक चाल कहते हैं।
- **प्रतिध्वनि** : जब कोई ध्वनि किसी माध्यम से टकराकर परावर्तित होती है तो वह ध्वनि हमें पुनः सुनाई देती हैं जिसे प्रतिध्वनि कहते हैं।
- ध्वनि का दीवारों से बारंबार परावर्तन जिसके कारण ध्वनि निर्बंध होता हैं, अनुरणन कहलाता है।
- अनुरणन को कम करने के लिए भवनों में पर्दे लटकाये जाते हैं, ताकि ध्वनि का अवशोषण हो सके। इसके अतिरिक्त कमरों में श्रोताओं की उपस्थिति अधिक हो तो भी ध्वनि का अवशोषण हो सकता है।
- मनुष्यों में ध्वनि की श्रव्यता का परिसर 20 Hz से 20,000 Hz तक होता है।
- 20 Hz से कम आवृत्ति की ध्वनियों को अवश्रव्य ध्वनि कहते हैं। इसका परास 20 Hz से कम हैं।
- 20000 Hz से अधिक आवृत्ति की ध्वनियों को पराध्वनि कहते हैं। इसका परास 20000 Hz से अधिक होता हैं।
- पराध्वनि की आवृत्ति ऊँच होती है।
- पराध्वनि तरंगों को हृदय के विभिन्न भागों से परावर्तित करा कर हृदय का प्रतिबिम्ब बनाया जाता है। इस तकनिक को इकोकार्डियोग्राफी कहते हैं।
- जब ध्वनि किसी माध्यम में संचरित होती है तो माध्यम का घनत्व किसी अधिकतम तथा न्यूनतम मान के बीच बदलता है। घनत्व के अधिकतम मान से न्यूनतम मान तक परिवर्तन में और पुनः अधिकतम मान तक आने पर एक दोलन पूरा होता है।
- एकांक समय में इन दोलनों की कुल संख्या ध्वनि तरंग की आवृत्ति कहलाती है।
- दो क्रमागत संपीडनों या दो क्रमागत विरलनों को किसी निश्चित बिंदु से गुजरने में लगे समय को तरंग का आवर्त काल कहते हैं।
- आवर्त काल को T अक्षर से निरूपित करते हैं। इसका मात्रक सेकेंड (s) है।
- किसी उत्सर्जित ध्वनि की आवृत्ति को मस्तिष्क किस प्रकार अनुभव करता है, उसे तारत्व कहते हैं।
- उत्पादक स्रोत से निकलने के पश्चात् ध्वनि तरंग फैल जाती है। स्रोत से दूर जाने पर इसका आयाम तथा प्रबलता दोनों ही कम होते जाते हैं।
- एकल आवृत्ति की ध्वनि को टोन कहते हैं। अनेक आवृत्तियों के मिश्रण से उत्पन्न ध्वनि को स्वर (note) कहते हैं और यह सुनने में सुखद होती है। शोर (noise) कर्णप्रिय नहीं होता जबकि संगीत सुनने में सुखद होता है।

पाठगत प्रश्न

Page no. 182

Q1. किसी माध्यम में ध्वनि द्वारा उत्पन्न विक्षोभ आपके कानों तक कैसे पहुँचता है?

उत्तर : तरंग एक विक्षोभ है जो किसी माध्यम से होकर गति करता है और माध्यम के कण निकटवर्ती कणों में गति उत्पन्न कर देते हैं। ये कण इसी प्रकार की गति अन्य कणों में उत्पन्न करते हैं। माध्यम के कण स्वयं आगे नहीं बढ़ते, लेकिन विक्षोभ आगे बढ़ जाता है। यह प्रक्रिया तब तक चलता रहता है जब तक विक्षोभ हमारे कानों तक पहुँच नहीं जाता ।

Q1. आपके विद्यालय की घंटी, ध्वनि कैसे उत्पन्न करती है?

Q2. ध्वनि तरंगों को यांत्रिक तरंगें क्यों कहते हैं?

Q3. मान लीजिए आप अपने मित्र के साथ चंद्रमा पर गए हुए हैं। क्या आप अपने मित्र द्वारा उत्पन्न ध्वनि को सुन पाएंगे?

Page no. 188

Q1. वायु, जल या लोहे में से किस माध्यम में ध्वनि सबसे तेज चलती है?

Q1. कोई प्रतिध्वनि 3 s पश्चात् सुनाई देती है। यदि ध्वनि की चाल 342 ms^{-1} हो तो स्रोत तथा परावर्तक सतह के बीच कितनी दूरी होगी?

Page no. 190

Q1. कंसर्ट हॉल की छतें वक्राकार क्यों होती हैं?

Page no. 191:

Q1. सामान्य मनुष्य के कानों के लिए श्रव्यता परास क्या है?

Q2. निम्न से संबंधित आवृत्तियों का परास क्या है?

(a) अवश्रव्य ध्वनि

(b) पराध्वनि

Page no. 193

Q1. एक पनडुब्बी सोनार स्पंद उत्सर्जित करती है, जो पानी के अंदर एक खड़ी चट्टान से टकराकर 1.02 s के पश्चात् वापस लौटता है। यदि खारे पानी में ध्वनि की चाल 1531 m/s हो, तो चट्टान की दूरी ज्ञात कीजिए।

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. ध्वनि निम्न में से किस का रूप है ?

(i) उष्मा

(ii) गति

(iii) उर्जा

(iv) रेडियों

उत्तर : उर्जा

प्रश्न 2. किन किन क्रिया कलापों द्वारा हम ध्वनि उत्पन्न कर सकते हैं ?

उत्तर : किसी वस्तु पर आघात कर , घर्षण द्वारा, खुरच कर, रगड़ कर, वायु फूँक कर या उनको हिलाकर ध्वनि उत्पन्न कर सकते हैं ।

प्रश्न 3. ध्वनि का संचरण माध्यम बताइए।

उत्तर : ठोस, द्रव और गैस ।

प्रश्न 4 किसी माध्यम में ध्वनि द्वारा उत्पन्न विक्षोभ आपके कानों तक कैसे पहुँचता है ?

उत्तर : तरंग एक विक्षोभ है जो किसी माध्यम से होकर गति करता है और माध्यम के कण निकटवर्ती कणों में गति उत्पन्न कर देते हैं। ये कण इसी प्रकार की गति अन्य कणों में उत्पन्न करते हैं। माध्यम के कण स्वयं आगे नहीं बढ़ते, लेकिन विक्षोभ आगे बढ़ जाता है। यह प्रक्रिया तब तक चलता रहता है जब तक विक्षोभ हमारे कानों तक पहुँच नहीं जाता ।

प्रश्न 5. संपीडन किसे कहते हैं ?

उत्तर : जब कोई कंपमान वस्तु आगे की ओर कंपन करती है तो इस प्रकार एक उच्च दाब का क्षेत्र उत्पन्न होता है। इस क्षेत्र को संपीडन (C) कहते हैं।

प्रश्न 6. विरलन किसे कहते हैं ?

उत्तर : जब कोई कंपमान वस्तु पीछे की ओर कंपन करती है तो इस प्रकार एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्पन्न होता है। जिसे विरलन (R) कहते हैं।

प्रश्न 7. ध्वनि तरंगे क्या है ? यह कैसे बनती हैं ?

उत्तर : ध्वनि को तरंग के रूप में जाना जाता है और तरंग एक विक्षोभ है जो कंपमान वस्तु द्वारा उत्पन्न होता है। यह तरंगे अनुदैर्घ्य तरंगे होती है। यह संपीडन और विरलन से बनती है।

प्रश्न 8. ध्वनि तरंगों को यांत्रिक तरंगे क्यों कहते हैं ?

उत्तर : ध्वनि तरंगों को यांत्रिक तरंगे इसलिए कहते हैं क्योंकि उसके संचरण के लिए द्रव्यात्मक माध्यम की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 9. किसी ध्वनि तरंग की तरंगदैर्घ्य, आवृत्ति, आवर्त काल, तथा आयाम से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर :

(i) तरंगदैर्घ्य - किन्हीं दो निकटतम श्रृंगों अथवा गर्तों के बीच की दूरी को या एक दोलन पूरा करने में तरंग द्वारा चली गई दूरी को तरंगदैर्घ्य कहते हैं।

(ii) आवृत्ति - एक सँकेण्ड में दोलनों की संख्या को आवृत्ति कहते हैं ।

(iii) आवर्त काल - एक दोलन पूरा करने में लगा समय आवर्त काल कहलाता है।

(iv) आयाम - किसी तरंग के संचरण में माध्यम के कणों का संतुलन की स्थिति में अधिकतम विस्थापन आयाम कहलाता है।

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर 1

प्रश्न 1. ध्वनि की प्रबलता तथा तीव्रता में अंतर बताइए।

उत्तर :

प्रश्न 2. पराध्वनिक चाल की परिभाषा दीजिए।

उत्तर : ध्वनि की चाल से भी अधिक चाल से कोई पिण्ड गति करता है तो उसे पराध्वनिक चाल कहते हैं।

प्रश्न 3. ध्वनि बूम किसे कहते हैं ?

उत्तर : जब ध्वनि उत्पादक स्रोत ध्वनि की चाल से अधिक तेजी से गति करती हैं। तो ये वायु में प्रघाती तरंगें उत्पन्न करती हैं इस प्रघाती तरंगों में बहुत अधिक ऊर्जा होती है। इस प्रकार की प्रघाती तरंगों से संबद्ध वायुदाब में परिवर्तन से एक बहुत तेज और प्रबल ध्वनि उत्पन्न होती है जिसे ध्वनि बूम कहते हैं।

प्रश्न 4. ठोस, द्रव, व गैस में ध्वनि की चाल सबसे अधिक किसमें होती है ?

उत्तर : ठोस में ध्वनि की चाल सबसे अधिक होती है।

प्रश्न 5. प्रतिध्वनि किसे कहते हैं ?

उत्तर : जब कोई ध्वनि किसी माध्यम से टकराकर परावर्तित होती है तो वह ध्वनि हमें पुनः सुनाई देती हैं जिसे प्रतिध्वनि कहते हैं।

प्रश्न 6. स्पष्ट प्रतिध्वनि सुनने के लिए अवरोधक की ध्वनि स्रोत से न्यूनतम दूरी कितनी होनी चाहिए ?

उत्तर : 17.2 मीटर ।

प्रश्न 8. अनुरणन किसे कहते हैं ? इसे कैसे कम किया जाता है ?

उत्तर : ध्वनि का दीवारों से बारंबार परावर्तन जिसके कारण ध्वनि निर्बन्ध होता है, अनुरणन कहलाता है। इसे कम करने के लिए भवनों में पर्दे लटकाये जाते हैं, ताकि ध्वनि का अवशोषण हो सके । इसके अतिरिक्त कमरों में श्रोताओं की उपस्थिति अधिक हो तो भी ध्वनि का अवशोषण हो सकता है।

प्रश्न 9. मनुष्यों में ध्वनि की श्रव्यता का परिसर कितना है ?

उत्तर : मनुष्यों में ध्वनि की श्रव्यता का परिसर 20 हर्ट्ज़ से 20,000 हर्ट्ज़ तक होता है।

प्रश्न 10. अवश्रव्य ध्वनि किसे कहते हैं ? अवश्रव्य ध्वनि की परास क्या है ?

उत्तर : 20 हर्ट्ज़ से कम आवृत्ति की ध्वनियों को अवश्रव्य ध्वनि कहते हैं। इसका परास 20 हर्ट्ज़ से कम हैं ।

प्रश्न 11. पराध्वनि किसे कहते हैं ? पराध्वनि की परास क्या है ?

उत्तर : 20000 हर्ट्ज़ से अधिक आवृत्ति की ध्वनियों को पराध्वनि कहते हैं। इसका परास 20000 हर्ट्ज़ से अधिक होता है ।

प्रश्न 12: पराध्वनि के तीन अनुप्रयोगों को लिखो।

उत्तर : पराध्वनि के अनुप्रयोग:-

1. पराध्वनि प्रायः उन भागों को साफ करने में की जाती है जहाँ तक पहुँचना कठिन है। जैसे - सर्पिलाकार नली, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे इत्यादि।
2. पराध्वनि का उपयोग धातु के ब्लाकों में दरारों का पता लगाने के लिए किया जाता है।
3. चिकित्सा क्षेत्र में पराध्वनि (अल्ट्रासाउण्ड) का प्रयोग बिमारियों का पता लगाने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 13. पराध्वनि की आवृत्ति निम्न या उच्च में से क्या होती है ?

उत्तर : पराध्वनि की आवृत्ति उच्च होती है।

प्रश्न 14. इकोकार्डियोग्राफी किसे कहते हैं ?

उत्तर : पराध्वनि तरंगों को हृदय के विभिन्न भागों से परावर्तित करा कर हृदय का प्रतिबिम्ब बनाया जाता है। इस तकनीक को इकोकार्डियोग्राफी कहते हैं।

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

प्रश्न - अल्ट्रासोनोग्राफी क्या है ? इस तकनीक का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में किन किन बिमारियों के निदान के लिए किया जाता है ?

उत्तर - अल्ट्रासोनोग्राफी एक तकनीक है जिसमें पराध्वनि तरंगे शरीर के उत्तकों में गमन करती हैं तथा उस स्थान से परावर्तित हो जाती हैं। इसके पश्चात् इन तरंगों को विद्युत् संकेतों में परिवर्तित किया जाता है। जिससे उस अंग का प्रतिबिम्ब बना लिया जाता है तथा इन प्रतिबिम्बों को मॉनिटर पर या फिल्म पर मुद्रित कर लिया जाता है। यह तकनीक अल्ट्रासोनोग्राफी कहलाती है। इस तकनीक का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में निम्नलिखित बिमारियों के निदान के लिए किया जाता है।

- (i) शरीर में उत्पन्न असमान्यताओं का पता लगाने के लिए। जैसे - ट्यूमर, पित पथरी, गुर्दे का पथरी, इत्यादि।
- (ii) गर्भाशय संबन्धी बिमारियों के लिए।
- (iii) पेप्टिक अल्सर का पता लगाने के लिए।

प्रश्न - सोनार (SONAR) शब्द का पूरा नाम लिखें।

उत्तर - सोनार (SONAR) शब्द का पूरा नाम Sound Navigation And Ranging है।

प्रश्न - सोनार क्या है ? इसका उपयोग लिखें।

उत्तर - सोनार एक युक्ति है। जिसमें जल में स्थित पिंडों की दूरी, दिशा, तथा चाल मापने के लिए पराध्वनि तरंगों का उपयोग किया जाता है। यह एक यंत्र है जिसमें एक प्रेषित्र तथा एक संसूचक होता है और इसे नाव या जहाज में लगाया जाता है। सोनार की तकनीक का उपयोग समुद्र की गहराई ज्ञात करने तथा जल के अंदर स्थित चट्टानों, घाटियों, पनडुब्बियों, हिमशैल, डुबे हुए जहाज आदि की जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न - आवृत्ति का S.I मात्रक क्या है ?

उत्तर - आवृत्ति का S.I मात्रक Htz हर्ट्ज है।

प्रश्न - तरंग दैर्घ्य का S.I मात्रक क्या है ?

उत्तर - तरंग दैर्घ्य का S.I मात्रक मीटर है।

प्रश्न - दो क्रमिक संपिडनो या शीर्षों के बीच की दूरी को क्या कहते हैं ?

उत्तर - तरंगदैर्घ्य (wavelength)

प्रश्न - अनुदैर्घ्य तथा अनुप्रस्थ तरंगों को परिभाषित कीजिए। प्रत्येक का एक एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर - (1) अनुदैर्घ्य तरंग:- तरंग जिसमें माध्यम के कण उसी दिशा में आगे पीछे कंपन करते हैं जिसमें तरंग चल रही होती है। अनुदैर्घ्य तरंग कहलाती है।

उदाहरण:- वायु में ध्वनि तरंगें अनुदैर्घ्य तरंगें हैं।

(2) अनुप्रस्थ तरंग:- तरंग जिसमें माध्यम के कण उस दिशा में जिसमें गति कर रही हैं, समकोण पर ऊपर नीचे कंपन करते हैं, अनुप्रस्थ तरंग कहलाती है।

उदाहरण:- तालाब के जल सतह पर बनी हुई जल तरंगें अनुप्रस्थ तरंगें हैं।

प्रश्न - ध्वनि की प्रबलता तथा तीव्रता में अंतर बताइए।

उत्तर- ध्वनि तरंग के इकाई क्षेत्रफल में जितनी ऊर्जा होती है वह ध्वनि की तीव्रता होती है। ध्वनि की प्रबलता की माप ध्वनि स्रोत के कंपनों द्वारा कान पर पहुंचने से होती है।

प्रश्न- कनसर्ट-हाल की छते वक्राकार क्यों होती है?

उत्तर- कनसर्ट-हाल की छते वक्राकार इसलिए होती है जिससे ध्वनि परावर्तन के पश्चात् हॉल के सभी कोनों तक पहुंच जाये।

प्रश्न - ध्वनि तरंगों की प्रवृत्ति अनुदैर्घ्य क्यों होती है ?

उत्तर - जब ध्वनि तरंग वायु से होकर गुजरती है, वायु के कण ध्वनि तरंग की दिशा के समान्तर आगे पीछे कंपन करते हैं। इसी प्रकार ध्वनि तरंग क्षैतिज दिशा में चलती है, तो माध्यम के कण भी क्षैतिज दिशा में आगे पीछे कंपन करते हैं। अतः ध्वनि तरंगें, अनुदैर्घ्य तरंगें होती हैं।

प्रश्न - तड़ित बिजली की चमक तथा गर्जन साथ साथ उत्पन्न होते हैं। लेकिन चमक दिखाई देने के कुछ सेकेंड पश्चात् गर्जन सुनाई देती है। ऐसा क्यों ?

उत्तर - तड़ित बिजली की चमक तथा गर्जन साथ साथ उत्पन्न होते हैं। लेकिन चमक दिखाई देने के कुछ सेकेंड पश्चात् गर्जन सुनाई देती है क्योंकि प्रकाश की चाल, ध्वनि की चाल से तीव्र होती है। चूंकि प्रकाश (चमक) हम तक जल्दी पहुँच जाता है और गर्जन (ध्वनि) हम तक निम्न चाल के कारण देर से सुनाई देती है।

प्रश्न - ध्वनि तरंगों के परावर्तन के दो व्यवहारिक उपयोग लिखिए।

उत्तर -

(i) मेगाफोन या लाउडस्पीकर, हार्न तथा शहनाई जैसी वाद्ययंत्र सभी इस युक्ति के आधार पर बनाये जाते हैं।

(ii) स्टेथोस्कोप में रोगी के हृदय की धड़कन की ध्वनि बार बार परिवर्तन के कारण डॉक्टर के कानों तक पहुँचती है।

प्रश्न - ध्वनि की प्रबलता से क्या तात्पर्य है ? यह किन कारकों पर निर्भर करता है ?

उत्तर - किसी एकांक क्षेत्रफल इसे एक सेकेंड में गुजरने वाली ध्वनि ऊर्जा को ध्वनि की प्रबलता कहते हैं। प्रबलता ध्वनि के लिए कानों की संवेदनशीलता की माप है। ध्वनि की प्रबलता कंपन के आयाम पर निर्भर करते हैं।

प्रश्न - तरंग गति क्या है ?

उत्तर - तरंग गति माध्यम से प्रगमन करता हुआ कंपन विक्षोभ है जिसमें दो बिन्दुओं के बीच सीधे संपर्क हुए बिना एक दुसरे बिन्दु को ऊर्जा स्थानांतरित की जाती है।

प्रश्न - अनुप्रस्थ तरंगे तथा अनुदैर्घ्य तरंगों में कोई दो अंतर लिखों।

उत्तर -

अनुप्रस्थ तरंगे

- (i) इन तरंगों से माध्यम के कण गति की दिशा के लंबवत् गति करते हैं।
- (ii) इन तरंगों के शिर्ष एवं गर्त बनते हैं।

अनुदैर्घ्य तरंगे

- (i) इन तरंगों से माध्यम के कण गति की दिशा के अनुदिश गति करते हैं।
- (ii) इन तरंगों में संपीडन व विरलन बनते हैं।

प्रश्न - मनुष्य का कान किस प्रकार कार्य करता है ? विवेचना कीजिए।

उत्तर - बाहरी कान परिवेश से ध्वनि को एकत्रित करता है तथा एकत्रित ध्वनि श्रवण नलिका से गुजरती है। श्रवण नलिका के सिरे पर एक पतली झिल्ली होती है जिसे कर्ण पटह कहते हैं। जब माध्यम के संपीडन कर्ण पटह तक पहुँचते हैं तो झिल्ली के बाहर लगने वाला दाब बढ़ जाता है और यह कर्ण पटह को अंदर की ओर दबाता है, इसी प्रकार विरलन के पहुँचने पर कर्ण पटह बाहर की ओर गति करता है। इस प्रकार कर्ण पटह कंपन करता है। कर्ण पटह के भीतर मध्य कर्ण में इलियम, मेलियस, और स्टेपीस नाम की तीन हड्डियाँ इन कंपनों को कई गुना बढ़ा देती हैं। मध्य कर्ण इन ध्वनि तरंगों को आंतरिक कर्ण तक पहुँचा देता है। आंतरिक कर्ण में उपस्थित कर्णावत (कोक्लीया) इन दाब परिवर्तनों को विद्युत संकेतों में बदलकर श्रवण तंत्रिका द्वारा मस्तिष्क तक भेज दिया जाता है।